नाविक कुत्ता
मार्गरेट वाइज ब्राउन
चित्र विलियम्स गार्थ

नाविक कुत्ता

मार्गरेट वाइज ब्राउन

चित्र विलियम्स गार्थ

समुद्री तूफ़ान के बीच में एक नाविक कुत्ता पैदा हुआ था. उसका नाम स्कूपर्स था.

उसके बाद वह एक फार्म पर रहने लगा. लेकिन समुद्र में पैदा हुआ स्कूपर्स दिल से एक नाविक था. इसलिए जब वह बड़ा हुआ तो उसका दिल वापिस समुद्र में जाने का हुआ.

उसे एक छोटी सी कार मिली.

"सभी सवार!" ड्राइवर ने कहा. लेकिन कार जमीन के ऊपर चल रही थी. लेकिन स्कूपर्स ज़मीन पर नहीं चलना चाहता था.
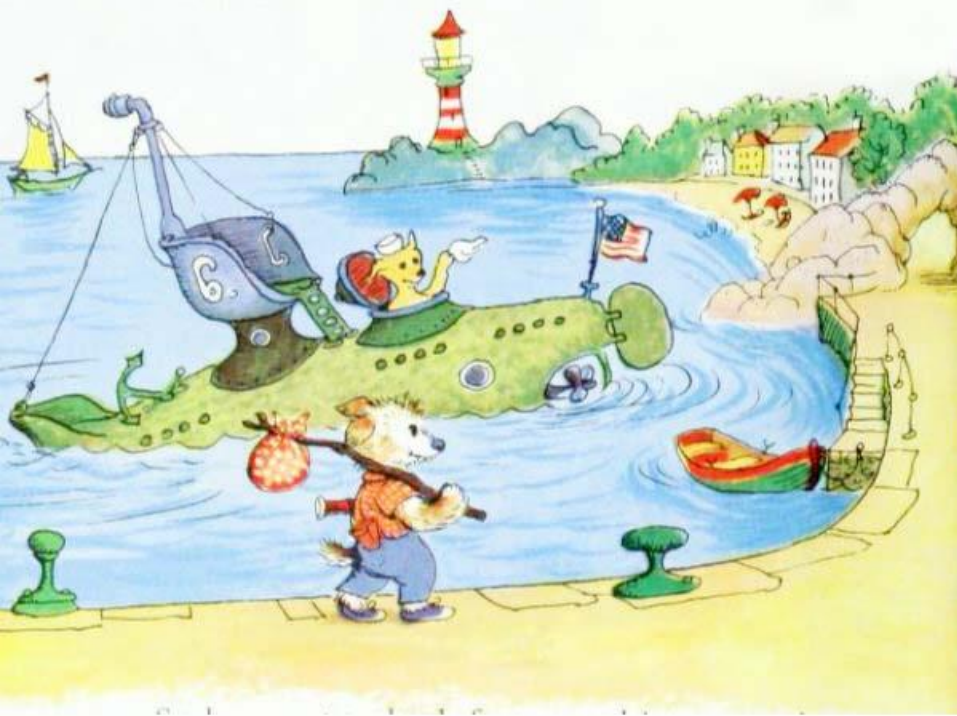
इसलिए वह समुद्र में जाने के लिए कुछ ढूंढने गया. उसे एक छोटी सी पनडुब्बी मिली. "सभी लोग सवार!" कप्तान ने कहा. पनडुब्बी समुद्र के नीचे जा रही थी. लेकिन स्कूपर्स समुद्र में नीचे नहीं जाना चाहता था.
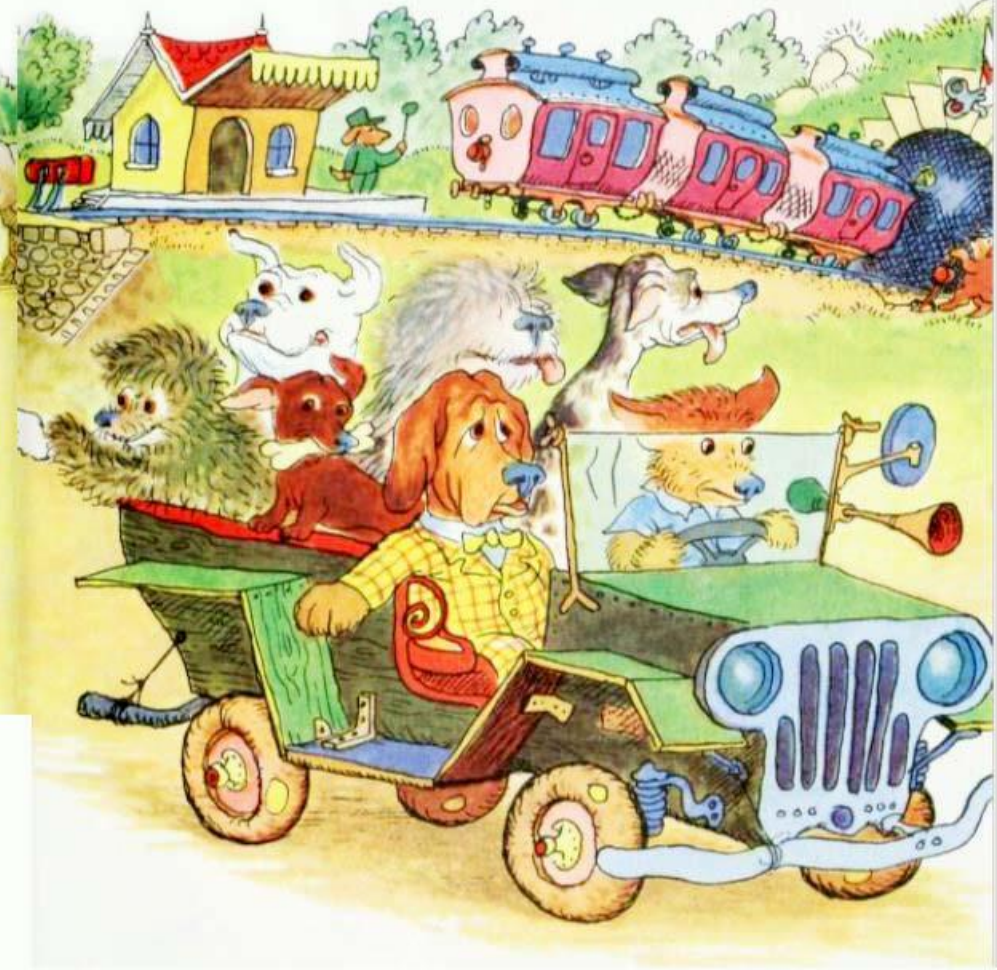
स्कूपर्स एक नाविक था. वह समुद्र में जाना चाहता था. इसलिए स्कूपर्स पहाड़ियों को पार करते हुए बहुत दूर गया जब तक कि वह समुद्र तक नहीं पहुंचा.

पहाड़ियों के ऊपर दूर तक समुद्र था. और समुद्र पर एक जहाज था. जहाज़ समुद्र के पार जाने ही वाला था. जहाज़ ने अपनी सीटी बजाई. "सभी सवार!" जहाज़ का कप्तान चिल्लाया. "सभी एक तट से दूसरे तट पर जा रहे हैं!"

"सभी सवार!"
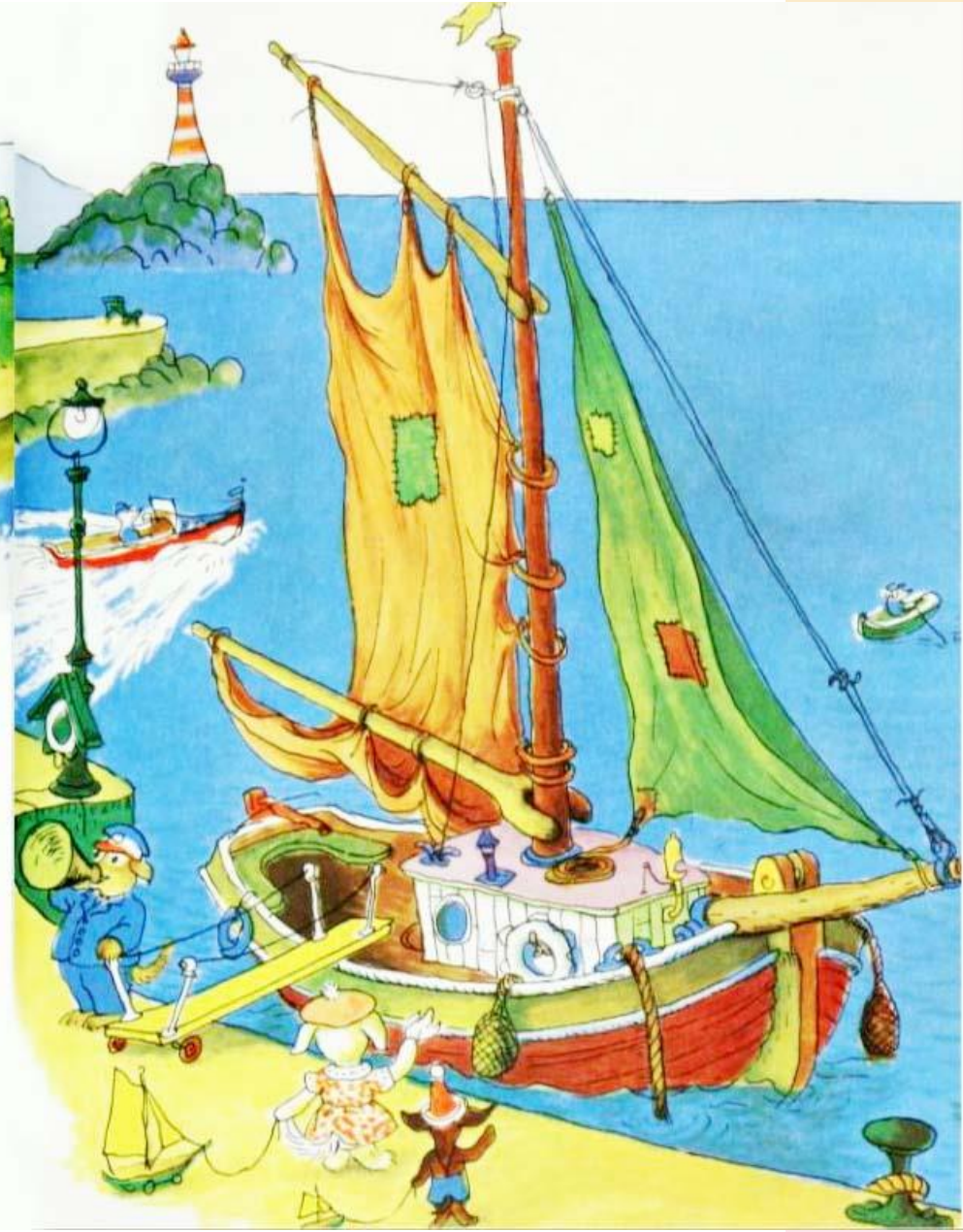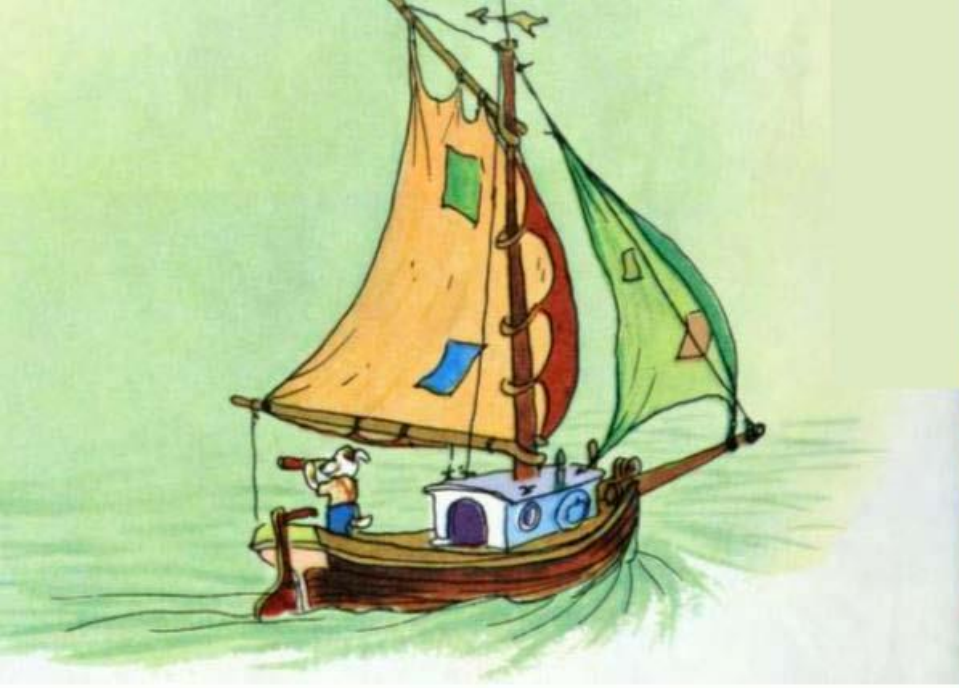
फिर स्कूपर्स समुद्र में गया.

जहाज़ धीरे-धीरे चलने लगा. हवा जहाज़ को आगे बढ़ा रही थी.

स्कूपर्स के पास जहाज़ में एक छोटा सा कमरा था. अपने कमरे में स्कूपर्स के पास उसकी टोपी टांगने के लिए एक हुक, उसकी रस्सी के लिए एक हुक, उसके रूमाल के लिए एक हुक, उसकी पैंट के लिए एक हुक, और उसके दूरबीन के लिए एक हुक, और जूते रखने के लिए एक जगह थी. स्कूपर्स के खुद के लेटने के लिए एक चारपाई थी जिसपर बिस्तर बिछा था.

रात में स्कूपर्स ने अपना लंगर समुद्र में फेंक दिया. और फिर वो अपने छोटे से कमरे में चला गया.
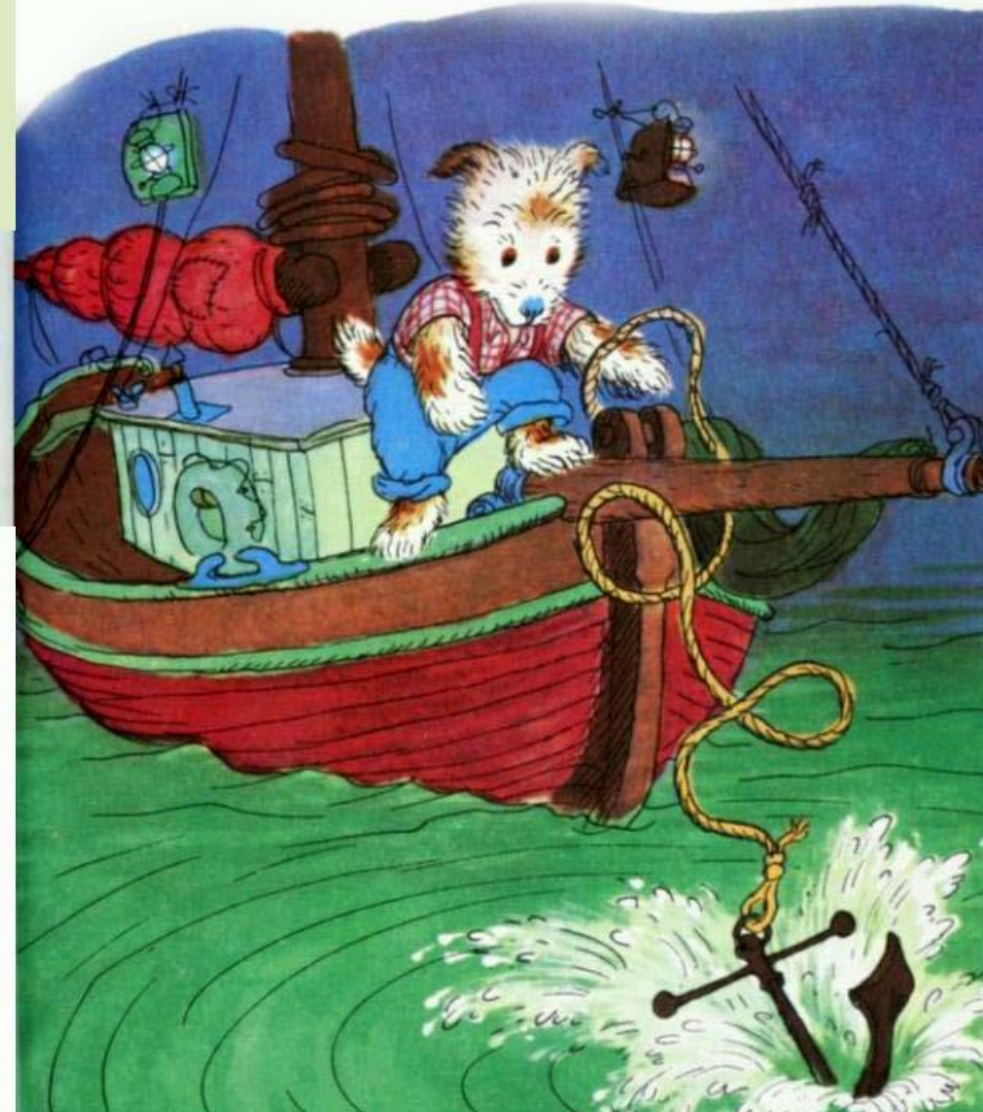
उसने अपनी टोपी को अपनी टोपी को टोपी वाले हुक पर रखा, अपनी रस्सी को अपनी रस्सी वाले हुक पर रखा, और अपनी पैंट को अपनी पैंट वाले हुक पर रखा, और अपने स्पाईग्लास को अपने स्पाईग्लास वाले हुक पर रखा, और उसने अपने जूते चारपाई के नीचे रख दिए. फिर वो बिस्तर में घुसकर सो गया.
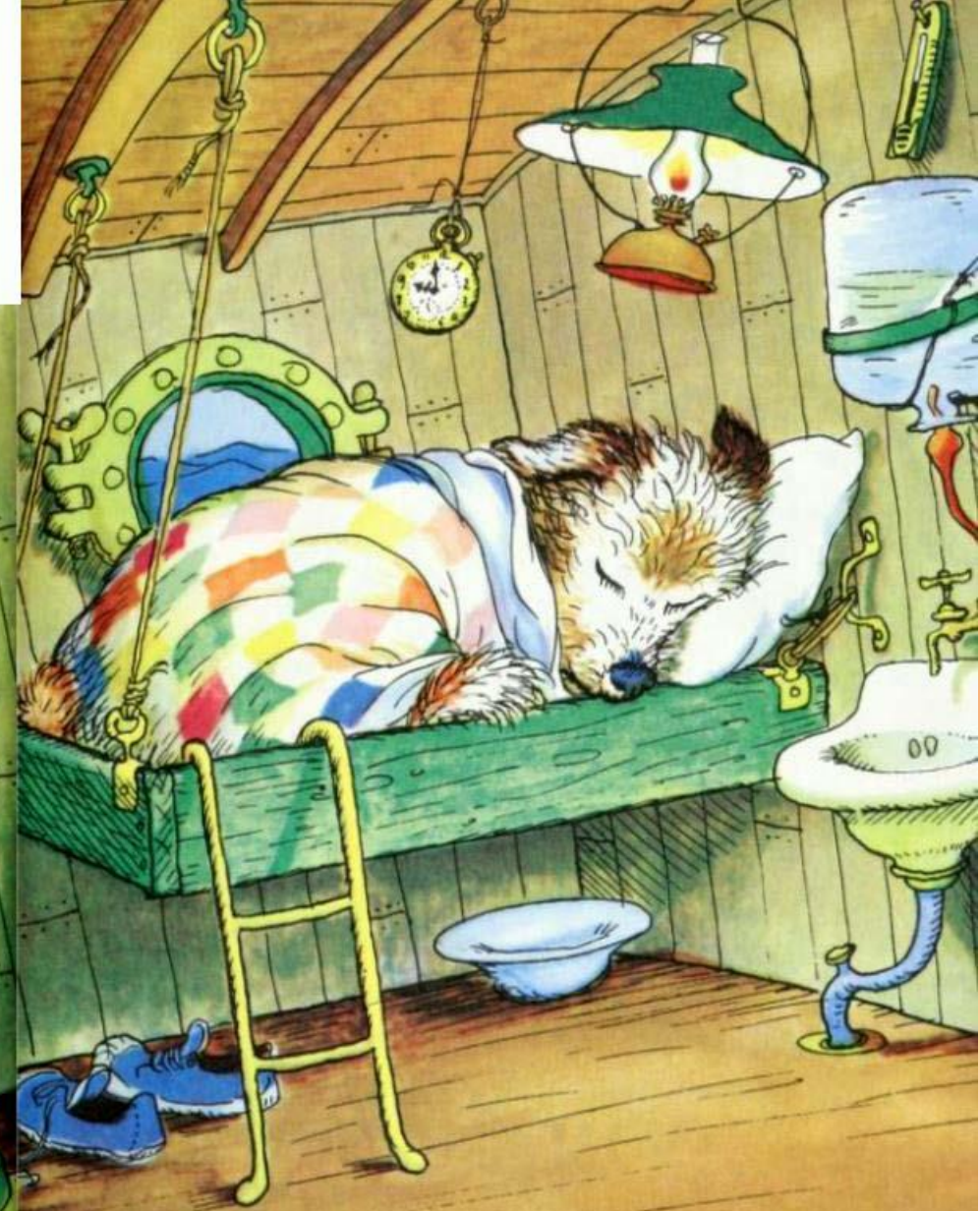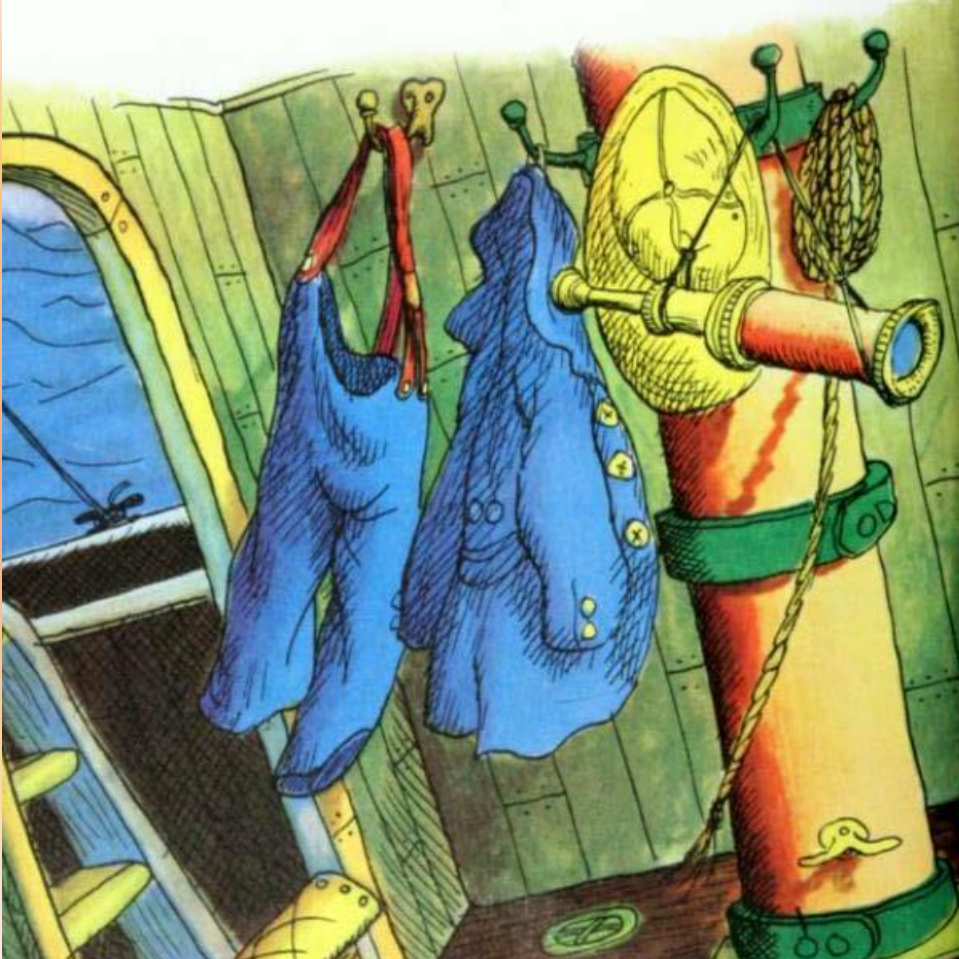
अगली सुबह जहाज दुर्घटनाग्रस्त होकर बर्बाद हो गया.

एक बहुत बड़ा तूफ़ान आया. लंगर घसीटता हुआ गया और जहाज चट्टानों से टकरा गया. उससे जहाज़ में एक बड़ा छेद हो गया.

स्कूपर्स पानी में बह गया. विशाल लहरों ने उसे किनारे पर लाकर फेंक दिया.

स्कूपर्स तैरकर समुद्र तट पर आया. जबरदस्त कोहरा और बरसात थी. वहां कोई घर नहीं था और स्कूपर्स को एक घर की सख्त जरूरत थी.

लेकिन समुद्र के तट पर ढेर सारी लकड़ियां बिखरी हुई थीं. स्कूपर्स को रेत में फंसा हुआ एक पुराना जंग लगा बक्सा भी मिला.

शायद वो कोई खजाना था!

लेकिन स्कूपर्स के लिए वो वाकई में एक खजाना था.

वो एक पुराने ज़माने का टूल बॉक्स था जिसमें हथौड़े, कीलें, एक कुल्हाड़ी और एक आरी थी. घर बनाने के लिए उसमें वो सभी औज़ार थे जो उसे चाहिए थे. इसलिए स्कूपर्स ने तट पर पड़ी लकड़ियों से अकेले ही अपने लिए एक घर बनाना शुरू कर दिया.

उसने एक दरवाज़ा, एक खिड़की, एक छत, एक बरामदा और एक फर्श बनाया, सबकुछ समुद्र तट पर पड़ी लकड़ी से.

और उसे कुछ लाल ईंटें मिलीं और उनसे उसने एक बड़ी लाल चिमनी बनाई. और फिर उसने आग जलाई, और धुआं चिमनी से बाहर निकला.
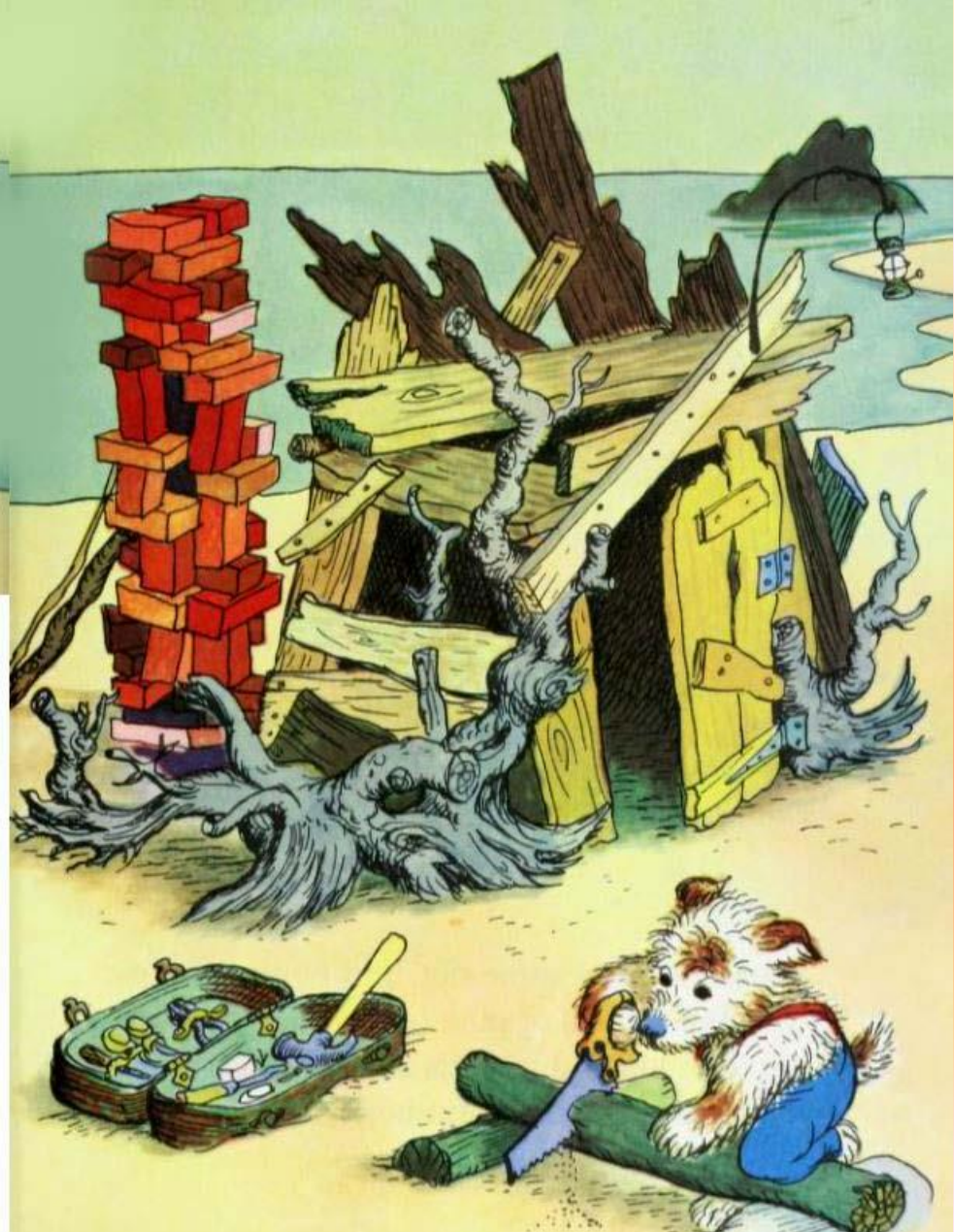
तब तारे निकल आए, और उसे नींद आ गई. इसलिए उसने चीड़ की पट्टियों का एक पलंग बनाया.

और फिर वो अपने गहरे हरे बिस्तर पर कूदकर सो गया. सोते समय उसने सपना देखा.

अगर वो एक घर बना सकता था,

तो वो निश्चित रूप से जहाज में बने छेद को भी ठीक कर सकता था.
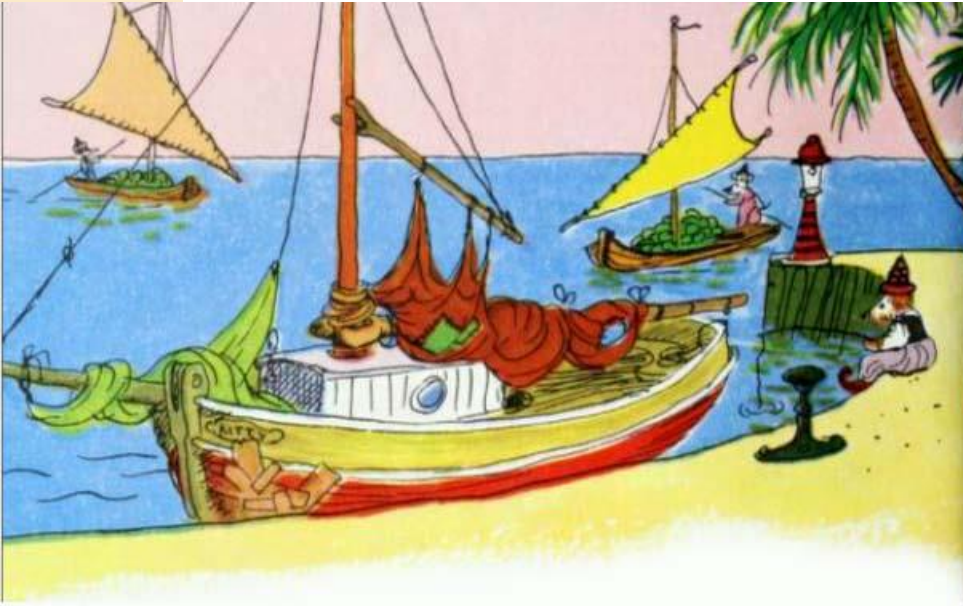
इसलिए अगले दिन कम ज्वार के समय स्कूपर्स ने अपना टूल बॉक्स बाहर निकाला और फिर उसने जहाज में बने छेद पर हथौड़े से तख्तियां ठोक दीं.

आख़िरकार जहाज़ ठीक हो गया.

फिर स्कूपर्स रवाना हुआ.

फिर वो एक विदेशी भूमि से बंदरगाह पर जाकर उतरा.

अब तक उसके सारे कपड़े फट चुके थे. उसके कपड़े फटकर तार-तार हो गए थे. उसका कोट फट गया, उसकी टोपी उड़ गई थी, और उसके जूते भी घिस गए थे. और उसका रूमाल भी फट गया था. केवल उसकी पैंट अभी तक सलामत थी.
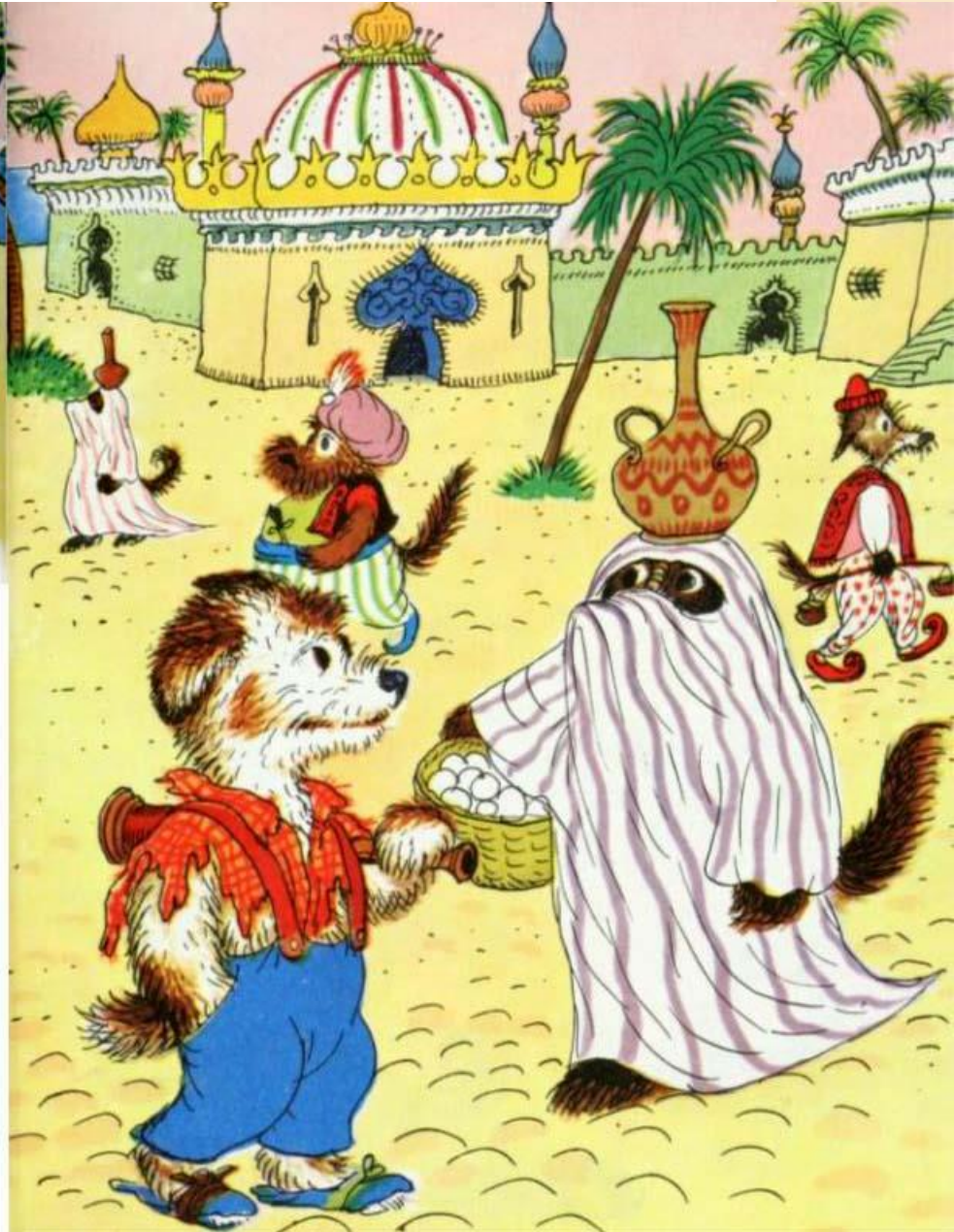
इसलिए वो नौसेना के स्टोर में कुछ कपड़े खरीदने के लिए तट पर गया. उसने कुछ ताज़े संतरे और एक कोट खरीदा. उसे लाल रंग का कोट बहुत छोटा लगा. इसलिए उसने नीले रंग वाला बिल्कुल सही नाप का कोट खरीदा. उस पर पीतल के बटन लगे थे.

फिर वह टोपी खरीदने गया. उसे बैंगनी रंग की टोपी बड़ी मूर्खतापूर्ण लगी. उसे सफ़ेद टोपी बिल्कुल सही लगी.

उसे नए जूतों की भी जरूरत थी. उसे पीले रंग वाले जूते बहुत छोटे लगे. उसे लाल वाले ठीक लगे. लेकिन अंत में उसने सफ़ेद रंग के सही नाप के जूते खरीदे.

यहां वो अपनी नई टोपी, नए जूतों, नए कोट, अपने चमकदार पीतल के बटनों के साथ खड़ा है. (उसके पास पॉलिश का एक डिब्बा और बटनों को चमकदार बनाए रखने के लिए एक कपड़ा भी था.)

और उसके पास एक नया साफ रूमाल, और एक नई रस्सी, और संतरों की एक टोकरी भी थी.

और अब स्कूपर्स अपने जहाज पर वापस जाना चाहता था. इसलिए वो जहाज़ पर चला गया.
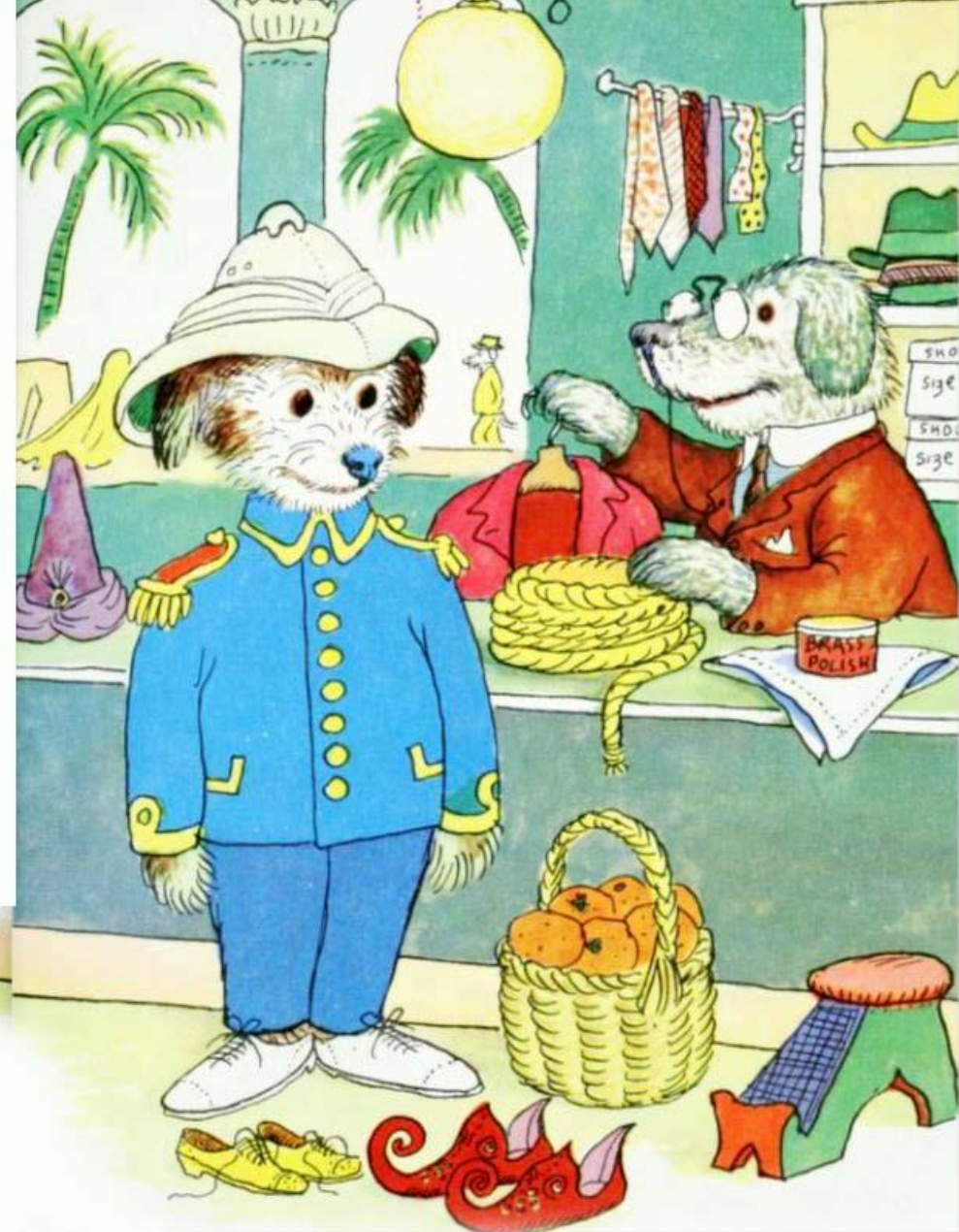
और रात को जब तारे निकले तो उसने अपनी दूरबीन से आखिरी बार देखा. फिर वो नीचे अपने छोटे से कमरे में चला गया, और उसने अपनी नई टोपी को टोपी वाले हुक पर लटकाया, और उसने स्पाईग्लास को स्पाईग्लास वाले हुक पर लटकाया, और उसने अपना नया कोट, कोट के लिए हुक पर लटकाया, और रूमाल को रुमाल वाले हुक पर, अपनी पैंट को पैंट वाले हुक पर, और अपनी रस्सी को,रस्सी के हुक पर लटकाया. उसने अपने नए जूते चारपाई के नीचे रखे, और वो खुद बिस्तर पर लेट गया.

और यह वो जगह है जहां वो हमेशा होना चाहता है - गहरे हरे समुद्र में जहाज़ चलाने वाला एक नाविक.
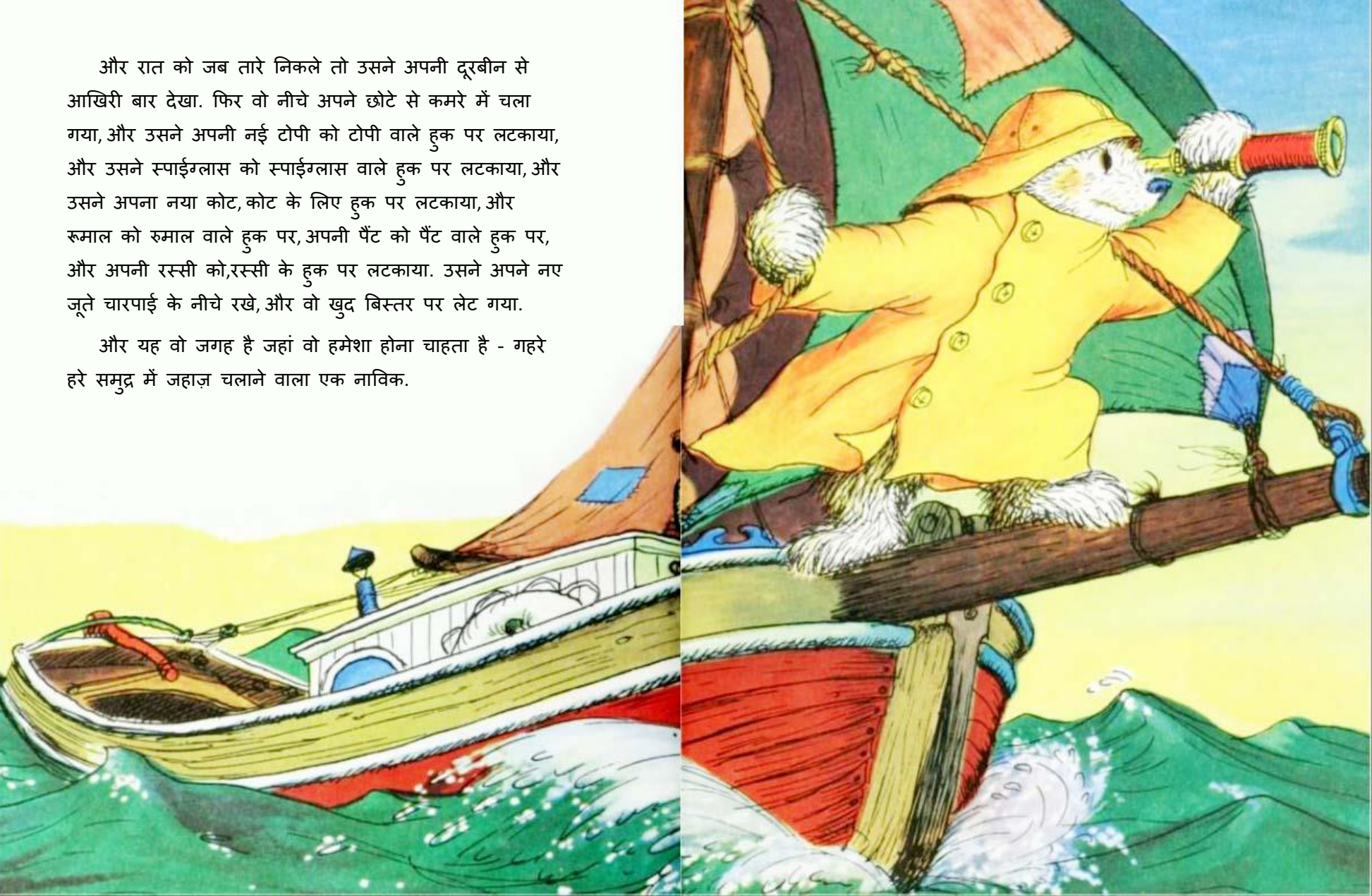
उसका गीत:

मैं नाविक कुत्ता स्कूपर्स हूं

मैं एक नाविक कुत्ता हूं

मैं भीषण आंधी में व्हेल के ऊपर तैर सकता हूं

मैं गहरे कोहरे में भी तेज़ी से आगे बढ़ सकता हूं.

मैं नाविक कुत्ता स्कूपर्स हूं

मैं एक नाविक कुत्ता हूं

एक झटके और एक खर्राटे के साथ

मैं किसी भी बंदरगाह में जा सकता हूँ

मैं गहरे कोहरे में भी तेज़ी से आगे बढ़ सकता हूं.